प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं
सेट–सी

समय– 3 घंटे पूर्णांक– 100

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. वापसी कहानी.............पृष्ठ भूमि पर आधारित है।

   (ऐतिहासिक / सामाजिक)

2. केशवदास मूलतः....................काल कवि थे।

   (रीतिकाल / भक्तिकाल)

3. महादेवी वर्मा की छोटी बहिन का नाम.............था।

(श्यामा / रामा)

4. माधुर्यता का युद्ध रूप........है ।

(माधुर्य / मधुर)

5. शांत रस का स्थायी भाव................है।

(निर्वेद / उत्साह)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिये सही विकल्प चुनिए –

(1) काव्य की शोभा बढ़ाने वाले शब्द को कहते है –

(अ) छन्द (ब) शब्दशक्ति

(स) अलंकार (द) शब्दगुण

(2) रचना के अनुसार वाक्य के भेद होते है –

(अ) दो प्रकार (ब) तीन प्रकार

(स) आठ प्रकार (द) चार प्रकार

(3) गौरा के बछड़े का नाम था –

(अ) लालसिंह (ब) नीलमणि

(स) लालमणि (द) नीलम मणि

(4) तात्या टोपे एकांकी के नायक हैं –

(अ) मानसिंह (ब) सर राबटर्स नेपियर

(स) तात्या टोपे (द) मेजर भीड़

(5) पूरण पुराण और पुरूष पुराण है –

(अ) गणेश (ब) राम

(स) सरस्वती (द) शंकर

प्रश्न 3. स्तंभ 'क' के लिए स्तंभ 'ख' से चुनकर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	ख
(1)	राष्ट्र के श्रृंगार	–	डॅ. रघुवीर सिंह
(2)	यशोधरा	–	रामदरस मिश्र
(3)	छोटे–छोट सुख	–	वाक्य
(4)	विचार व्यक्त करने वाला शब्द–		छन्द
(5)	मात्रिक एवं वर्णिक	–	श्रीकृष्ण सरल

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों का एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1- बीती विभावरी से क्या तात्पर्य है?

2- गजाधर बाबू को दी गई चाय में क्या नहीं पड़ी थी?

3- देव प्रयाग में अलकनन्दा के पानी का रंग कैसा है?

4- छोटे–छोटे वाक्यांश कहलाते है?

5- विस्तृत कलेवर वाले काव्य को क्या कहते है?

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छांटिए –

1. रोला और उल्लाला छन्दों के योग से छप्पय छन्द बनता है।
2. मुहावरे तथा लोकोक्तियां समान हैं।
3. चार धाम की यात्रा का मार्ग अत्यंत दुर्गम है।
4. अध्यक्ष महोदय एक व्यंग्य रचना नहीं है।
5. 'नदी के द्वीप' रचना के कवि अज्ञेय है।

प्रश्न 6. भगवान गणेश भक्तों की विपत्तियों को किस प्रकार हर लेते है?

अथवा

बहन को भाई का ध्रुवतारा क्यों कहा गया है।

प्रश्न 7. चातक को घातक क्यों कहा गया है?

अथवा

नंद के आंगन में गोपियां क्यों एकत्र हुई?

प्रश्न 8. संपत्ति रूपी जल के निरंतर बढ़ने से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?

अथवा

कबीर के अनुसार शरीर रूपी घड़े की क्या विशेषताएं हैं?

प्रश्न 9. खगकुल कुल–कुल सा क्यों बोलने लगा है?

अथवा

प्राचीनता की खोज बढ़ने पर हम पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

प्रश्न 10. विजय कब सुनिश्चित होती है?

अथवा

मुक्ति बोध ने प्रकृति को किस रूप में पहचाना है?

प्रश्न 11. मीड के शब्दों में तात्या टोपे के युद्ध कौशल का वर्णन कीजिए।

अथवा

यशोधरा दुखी क्यों थी?

प्रश्न 12. बिना रंग की वस्तु के संबंध में लेखक ने क्या कहा है?

अथवा

अर्जुन ने अकेले ही किन–किन के दांत खट्टे करा दिए?

प्रश्न 13. गांव की संध्या में पूजा भाव किन ध्वनियों में प्रकट होता है?

अथवा

अध्यक्षता करने को मर्ज क्यों कहा गया है?

प्रश्न 14. नैनो मटेरियल तैयार करने की दो पद्धतियां कौन–कौन सी है?

अथवा

कानपुर में किन–किन साहित्यकारों से भगवती चरण वर्मा की मित्रता हुई?

प्रश्न 15. ब्याज स्तुति अलंकार की परिभाषा उदाहरण के साथ लिखिए।?

अथवा

करूण रस का एक उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 16. लोकोक्ति और मुहावरें में कोई दो प्रमुख अंतर लिखिए तथा एक–एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

राज भाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. विद्यार्थी जी पत्रकारिता के अतिरिक्त किन–किन गतिविधियों में सक्रिय थे?

अथवा

बांसुरी की मीठी टेर सुनकर देवकी ने क्या अनुभव किया?

प्रश्न 18. निम्नलिखित का भाव पल्लवन कीजिए।

''साहित्य समाज का दर्पण है।''

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ सहित वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. आग में घी डालना
2. न तीन में न तेरह में

3. मैदान मारना

प्रश्न 19. ओज गुण की परिभाषा उदाहरण के साथ लिखिए।

अथवा

मन्तगयंद सवैया का उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 20. प्रगतिवादी की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए दो प्रगतिवादी कवियों के नाम लिखिए।

अथवा

प्रयोगवादी काव्यधारा से आप क्या समझते है? दो प्रयोगवादी कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न 21. निबंध को गद्य की कसौटी क्यों कहा गया है?

अथवा

रिपोर्ताज का क्या अर्थ है? हिन्दी के दो प्रमुख रिपोर्ताज लेखकों के नाम उनकी एक–एक रचना सहित लिखिए।

प्रश्न 22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा डॉ. श्याम संदुर दुबे का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाषा शैली (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 23. कबीर अथवा गजानन माधव 'मुक्ति बोध' की काव्यगत विशेषताएं निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भावपक्ष–कलापक्ष (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 24. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

शब्द सम्हारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव।
एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव।।
जिभ्या जिन बस में करी, तिन बस कियो जहान।
नहिं तो औगुन उपजै, कटि सब संत सुजान।।

अथवा

जब जग मुझे तोड़ने आता,
मैं हंस–हंस रो देता,
जब तुम मुझ पर हाथ उठाती,
मैं सुधि बुधि खो देता,
हृदय तुम्हारा सा ही मेरा इसको यों न मरोड़ो,
देखों मालिन मुझे न तोड़ो।

प्रश्न 25. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

क्या अशोक की तरह उसके मन में अहिंसा–वृत्ति का उदय हुआ था? नहीं, यह तो केवल स्वजनासक्ति थी। इस समय भी यदि गुरू बंक और आप्त सामने न होते, तो उसने शत्रुओं के मुण्ड गेंद की तरह उड़ा दिये होते। परंतु इस आसक्ति जनित मोह ने उसकी कर्तव्यनिष्ठा को ग्रस लिया और तब उसे तत्वज्ञान याद आया।

अथवा

जीवन बहुत सरल नहीं है। मेहनत और ईमानदारी ही ऊर्जा बढ़ाते है। लाख अंधेरा आएं, लाख आपत्तियां आए, तुम यदि अपने प्रति आस्थावान निष्ठावान रहोगे तो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित करोगे।

प्रश्न 26. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

नारी सृष्टि का आधार है नारी के बिना संसार की हर रचना अपूर्ण तथा रंगतहीन है। वह मृदु होते हुए भी कठोर है उसमें पृथ्वी जैसी सहनशीलता, सूर्य जैसा ओज तथा सागर जैसा गाम्भीर्य एक साथ दृष्टि गोचर होताहै। नारी के अनेक रूप हैं, वह समाज कभी उन्नति नहीं कर सकता, जहां नारी को सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता। नर और नारी गृहस्थी रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं। इन दोनों के तालमेल से ही गृहस्थी का रथ सुचारू रूप से गतिमान रहता है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 3. सृष्टि का आधार किसे कहा गया है?

प्रश्न 27. अपने विद्यालय के प्राचार्य को निर्धन छात्र कोष से छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

नगर के उपयंत्री को बिजली की अनियमित कटौती के संबंध में शिकायती पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. भारत की सांस्कृति विरासत
2. आतंकवाद और राष्ट्रीय अखण्डता
3. भ्रष्टाचारः समस्या और निदान
4. भारतीय समाज में नारी का महत्व।
5. कम्प्यूटर – आज की आवश्यकता।

(ब) उपरोक्त शेष निबंधों में से किसी एक निबंध की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

<u>आदर्श उत्तर</u>
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. सामाजिक
2. रीतिकाल
3. श्यामा
4. माधुर्य
5. निर्वेद

प्रत्येक सही उत्तर लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. अलंकार
2. तीन प्रकार
3. लालमणि
4. तात्या टोपे
5. राम

प्रत्येक सही उत्तर लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां बनाइये–

	क	**–**	**ख**
(1)	राष्ट्र के श्रृंगार	–	श्रीकृष्ण सरल
(2)	यशोधरा	–	डॉ. रघुवीर सिंह
(3)	छोटे–छोट सुख	–	रामदरस मिश्र

(4) विचार व्यक्त करने वाला शब्द– वाक्य

(5) मात्रिक एवं वर्णिक – छन्द

प्रत्येक सही उत्तर लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. प्रभात।
2. चीनी।
3. नीला।
4. मुहावरे।
5. महाकाव्य।

प्रत्येक सही उत्तर लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. सत्य/असत्य छांटिये –

(1) सत्य।

(2) असत्य।

(3) सत्य।

(4) असत्य।

(5) सत्य।

प्रत्येक सही उत्तर लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. जिस प्रकार एक बालक कमल की डंडी को आसानी से तोड़ देता है उसी प्रकार गणेश जी भक्त के विघ्नों को हर लेते है। जिस प्रकार कमलिनी कीचड़ से अलग रहती है उसी प्रकार गणेश जी के भक्त संसार के विघ्नों से दूर रहते हैं। शंकर जी जैसे चन्द्रमा को निष्कलंक कर अपने शीश पर धारण करते है उसी प्रकार गणेश जी अपने भक्त को निष्कलंक कर देते है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भाई तो एक अल्हड़ जीवन या यों कहें कि लापरवाह जीवन बिताता रहा, लेकिन बहन अपने लक्ष्य के लिए ध्रुवतारे की तरह अटल खड़ी हुई दिखाई दी। बहने ने भाई को मुसीबतों के समय उत्साह दिया और उसकी देश भक्ति को जाग्रत कर देश के प्रति अपने कर्तव्य को पूर्ण करने में सहयोग दिया।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. चातक अपनी बोली के माध्यम से विरही ह्रदय को चोट पहुंचा रहा है। चातक की आवाज सुनकर कवि को अपनी सुजान की याद सताने लगती है इसलिए कवि ने चातक को घातक कहा है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गोपियों को जब इस बात की जानकारी हुई कि मथुरा से कोई कृष्ण का संदेश लेकर आया है तो प्रेम दिवानी सभी गोपियां कृष्ण का संदेश सुनने के लिए नंद के आंगन में एकत्रित हुई कि पत्र में उनके लिए क्या लिखा है?

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. सम्पत्ति रूपी जल के निरंतर बढ़ने से वही खतरा रहता है जो एक नाव में जल के बढ़ जाने से रहता है। नाव में यदि पानी भरने लगे तो वह पानी उसे डुबो देताहै। अतः नाव में बैठने वाले लोगों का कर्तव्य है कि उस पानी को बाहर निकाले। ठीस इसी प्रकार घर में बढ़ती हुई सत्पत्ति को दान आदि परोपकारी कार्यों में खर्च करना चाहिए ताकि हम नष्ट होने से संकट से बचे रहे।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कबीर के अनुसार मानव शरीर भी कच्ची मिट्टी के घड़े के समान है। जिस प्रकार कच्ची मिट्टी का घड़ा पानी पड़ने से टूटकर विखर जाता है उसी प्रकार मानव शरीर भी नश्वर है यह भी एक दिन मिट्टी में मिल जाता है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. पक्षियों का समूह भोर की किरण के साथ प्रसन्न होकर अमोद–प्रमोद में भर जाते है और आसमान में उड़ते हुए मधुर गीत गाने लगते है। सबेरा होना उनके चहचहाने का संकेत है। अतः कवि कहता है कि सवेरा हो गया है, पक्षियों का समूह गाने लगा है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अतीत की खोज होने पर हमारी उच्चता हमारी सभ्यता संस्कृति, ज्ञान, गौरव, के आदर्श प्रमाण मिलते जाएंगे। इन क्षेत्रों में जहां–जहां भी लोग जाएंगे तो वे यही पाएंगे कि भारतवादी वहां पहले पहुंच चुके हैं।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. आत्म बल के साथ दृढ़ संकल्प और विश्वास लिए जो विजय के मार्ग पर अग्रसर होते है, विजय उन्हीं के कदमों को चूमती है, जो साहस एवं शौर्य के आधार पर विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते ऐसे वीरों की विजय सुनिश्चित होती है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुक्तिबोध ने प्रकृति को मानवीय भावनाओं से जोड़ा है। बसंत मानो पृथ्वी की सुंदर और सुखद छाया है। बसंत में खिले लाल–लाल फूल मानो मनुष्य के भीतर जलने वाली क्रांति की ज्वाला का प्रतिरूप हो। बसंत का सौन्दर्य मनुष्य की चेतना है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. मीड ने कहा था– तात्या अपने में असीम है, उसमें जादू की सी करामात है। उसकी वाणी क्रांति की आग फूंक देती है। शारीरिक शक्ति और बुद्धि से भी वह अपराजेय है। उसकी सैन्य संचालन शक्ति आश्चर्य में डाल देती है। उसमें बिजली की सी फूर्ती है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मानव के चिर सुख का अमृत खोजने के लिए गौतम बिना बताए यशोधरा और अबोध राहुल को रात्रि के समय सोता हुआ छोड़कर चले गए थे। इसी वेदना से यशोधरा अत्यंत दुःखी थी।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. बिना रंग की कोई वस्तु लेखक के मस्तिष्क में नहीं आती। आती भी है तो लगता है जैसे रंगहीन अगणित आकृतियां भिन्नता सूचक भेद के अभाव में वाष्प पिण्डों की भांति आपस में टकरा रही है।

अथवा

जिस समय पांडव अज्ञातवास में थे उस समय कौरवों की सेना ने उत्तर कुमार की गायों का हरण करने का प्रयास किया तब अर्जुन ने उत्तर कुमार का

सारथी बनकर अकेले ही वीर भीष्म पितामह, आचार्य द्रोण और सूर्यपुत्र कर्ण के दांत खट्टे कर दिए थे।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. गांव की संध्या में पूजा भाव मंदिर से आती घंटियों की टनटनाहट और शंख एवं घटियालों की मिली जुली स्वर लहरी में स्पंदित होकर प्रकट होता है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अध्यक्षता करने को लेखक ने मर्ज इसलिए कहा है कि किसी पुराने रोग की तरह यह शौक भी एक बार जिसे लग जाए हमेशा के लिए बना रहता है। वह अध्यक्षता की नींद ही सोता–जागता है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. नैनो मटेरियल तैयार करने के लिए सदैव दो पद्धतियों को उपयोग में लाया जाता है– प्रथम बड़े से छोटा करने की पद्धति और द्वितीय छोटे से बड़ा करने की पद्धति। इन पद्धतियों से एक आश्चर्यजनक कर देने वाला नैनो मटेरियल तैयार किया जा सकता है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अपनी प्रारंभिक कविताओं के प्रताप में छपने के दो तीन साल के अंदर ही लेखक की मित्रता कानपुर के सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक बालकृष्ण शर्मा नवीन एवं श्री रमाशंकर अवस्थी जैसे उच्च कोटि के साहित्यकारों से हो गई थी।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. व्याज स्तुति अलंकार में निन्दा के बहाने सराहना करने का भाव ध्वनित होता है जबकि व्याज निंदा अलंकार में प्रशंसा के बहाने निन्दा का भाव ध्वनित होता है।

व्याज स्तुति का उदाहरण –

निशदिन पूजा करत रहत श्याम बूड़ि तब रंग।

जनम जनम की देह को छीनत हो एक संग।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

उदाहरण –

प्रिय वह मेरा प्राण प्यारा कहां है?

दुख जलनिधि में डूबी का सहारा कहां है?

लख मुख जिसका आज जी सकी हूँ,

वह हृदय हमारा नयन तारा कहां है?

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. मुहावरे – ऐसे छोटे छोटे वाक्यांश जिनके प्रयोग से भाषा में सौन्दर्य प्रभाव और चमत्कार उत्पन्न हो मुहावरा कहलाता है। मुहावरा वाक्यांश होता है, अतः प्रयोग स्वतंत्र न होकर वाक्य के बीच में किया जाता है।

उदाहरण– अक्ल पर पत्थर पड़ना।

लोकोक्तियां – लोक+उक्ति = लाकोक्ति, लोगों द्वारा कही गयी उक्ति है। लोकोक्तियां मुहावरे की अपेक्षा विस्तृत होती है। यह पूर्ण वाक्य होती है अतः वाक्यों के बीच में इनका प्रयोग नहीं होता है।

उदाहरण– आम के आम गुठलियों के दाम।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

राष्ट्र भाषा और राजभाषा दोनों मिलते–जुलते शब्द है पर इनमें सामान्य और पारिभाषिक अंतर है। अंग्रेजी में इन्हे नेशनल लेंग्वेज और ऑफिशियल लेंग्वेज कहा जाता है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. गणेश शंकर विद्यार्थी जी कानपुर नगर से प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र का सम्पादन एवं प्रकाशन करते थे। पत्रकारिता मानों उनके रक्त में कूट–कूटकर भरी थी। पत्रकारिता के साथ–साथ में अन्य अनेकों गतिविधियों में भी बढ़–चढ़कर भाग लेते थे। वे कानपुर शहर के राजनीतिक जीवन के प्राण थे। वे एक कुशल राजनीझि थे। उन दिनों कानपुर की प्रमुख समस्या मजदूरों की समस्या थी। समाजवाद की भावना से प्रेरित होकर गणेश जी ने मजदूरों के संगठन का काम भी अपने हाथों में ले लिया था। मजदूर आन्दोलनों में उन्होंने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। इसके लिए उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। इसके अतिरिक्त वे एक महान देशभक्त थे। वे भारत की स्वतत्रंता के लिए संघर्ष कर रहे क्रांतिकारियों को आर्थिक एवं नैतिक सहायता प्रदान करते थे।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

देवकी के कानों ने बांसुरी की ऐसी मीठी और कर्ण प्रिय टेर सुनी, जैसी उन्होंने इससे पूर्व कभी नहीं सुनी थी। उस टेर में एक अजीब सी मिठास थी। उसे सुनकर उन्हें लग रहा था कि उनके भीतर अलौकिक पुष्पाों की बगिया महक रही हो और उसकी सुगन्ध से मानों दसों दिशाएं भी सुगन्धित हो महक रही हो। उन्हें ऐसा प्रतीत होने लगा कि वे अपनी वाणी पर स्वयं ही गुग्ध हो रही है। उन्हें अपने अंदर विशालता का अनुभव होने लगा। सागर, वन, नदियां सब

उन्हें अपने अंदर उपस्थित लगी। उन्हें यह लगने लगा कि उनका अस्तित्व मात्र वह शरीर नहीं है, वह तो बहुत विराट और विशाल है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. भाव विस्तार— साहित्य एवं समाज का घनिष्ठ संबंध है। समाज के धरातल पर ही साहित्यकार साहित्य की रचना करता है। वह अपने साहित्य के माध्यम से समाज को नवीन बोध एवं दिशा प्रदान करता है लेकिन समाज के अस्तित्व को नकारने पर साहित्य का सृजन नहीं हो सकता। साहित्य तत्कालीन समाज की राजनीतिक, धार्मिक, विज्ञान, कला एवं सभ्यता संस्कृति का जीवन्त अंकन करता है। साहित्य के पठन—पाठन से तत्कालीन युग की सम्यक जानकारी प्राप्त हो सकती है। इसी तथ्य के दृष्टिपथ में मनीषियों ने साहित्य को समाज का दर्पण कहा है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुहावरे—

1. आग में घी डालना — क्रोध को और अधिक भड़काना।
   प्रयोग— स्वार्थी मनुष्य आग में घी डालने का कार्य बड़ी कुशलता से करते है।
2. न तीन में न तेरह में — फालतू बातों से अलग रहना।
   प्रयोग— श्याम अपनी पढ़ाई में व्यस्त रहता है, उसे तीन तेरह से कोई मतलब नहीं है।
3. मैदान मारना — जीत हासिल करना।
   प्रयोग— क्रीकेट मैच में आज भारत ने मैदान मार लिया।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. ओज– जिस काव्य के सुनने या पढ़ने से चित्त की उत्तेजना वृत्ति जाग्रत हो, वह रचना ओज गुण सम्पन्न होती है।

उदाहरण–

बुन्देले हरबोलों के मुख हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी।।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

परिभाषा– मत्तगयंद में चार चरण होते है। प्रत्येक चरण के तेईस वर्ण होते है। इसके प्रत्येक चरण में सात भगण और दो गुरू होते है।

उदाहरण–

या लकुटी अरू कमरिया पर राज तिहुंपुर को तज डारौं।
आठहुं सिद्धि नवौं निधि का सुख नन्द की गाय चराइ विसारौं।
रसखान कबौं इन आंखिन सौं ब्रज के वन बाग तड़ाग निहारौं।
कौटिक हूँ कलधौत के धाम, करील के कुंजन ऊपर बारौं।।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. **प्रगतिवाद की विशेषताएं :–**

1. **शोषकों के प्रति घृणा और शोषितों के प्रति करूणा :–** पूंजीवादी व्यवस्था शोषण को जन्म देती है, सामाजिक विषमता उत्पन्न करती है इसलिए कवियों ने शोषकों के प्रति घृणा की भावना व्यक्त की है।
2. **यथार्थ चित्रण :–** प्रगतिवादी कवि कल्पना के स्थान पर यथार्थ को महत्व देते हैं। यथार्थ का चित्रण करना उनका प्रमुख ध्येय रहा है।
3. **नारी मुक्ति का स्वर :–** प्रगतिवादी कवियों ने युग–युग से प्रताड़ित, शोषित नारी को पुरूष प्रधान समाज में प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया।

4. **रूढ़िवाद का विरोध :–** प्रगतिवादी कवि रूढ़िवाद के कट्टर विरोधी हैं। प्रगतिवादी कवि आत्मा, परमात्मा, स्वर्ग–नर्क के अस्तित्व पर विश्वास नहीं करते।

प्रगतिवादी कवि	–	**रचना**
श्री नागार्जुन	–	युगधारा, सतरंगे, पंखों वाली।
सुमित्रानंदन पंत	–	युगवाणी, ग्राम्या, पल्लव ग्रंथि आदि।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रयोगवादी–

1. प्रयोगवादी कविता पर मार्क्सवादी प्रभाव परिलक्षित है।
2. इस काव्य में सजग एवं गहरी पीड़ा का बोध है।
3. प्रयोगवादी कविता भावुकता के स्थान पर बौद्धिकता पर विशेष बल देती है।
4. फ्रायड के काम सिद्धांत को सर्वोपरि रूप में स्वीकार किया गया है।

प्रयोगवादी कवि–

1. धर्मवीर भारती
2. स.ही.वा. अज्ञेय

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. इस कथन का तात्पर्य यह है कि पद्य की तुलना में गद्य रचना सम्पन्न करना दुष्कर कार्य है, क्योंकि अगर आठ पंक्तियों वाली कविता में यदि एक भी पंक्ति भावपूर्ण लिख जाती है तो कवि प्रशंसा का भागी होता है, परंतु गद्य के संदर्भ में ऐसा नहीं देखा जाता। गद्यकार को एक–एक वाक्य सुव्यवस्थित एवं सोचविचाकर लिखना होता है। उसी स्थिति में गद्यकार प्रशंसनीय है। गद्य में

निबंध लेखन बहुत ही दुष्कर कार्य है। निबंध को सुरूचिपूर्ण, आकर्षक एवं व्यवस्थित होना चाहिए। इसी हेतु निबंध को गद्य की कसौटी कहा गया है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रिपोर्ताज किसी घटना विशेष का मर्मस्पर्शी चित्रण है। सहजता के साथ इसमें घटना का साहित्यिक विवरण प्रस्तुत किया जाता है। इसमें लेखक अपने विषय में इतना अधिक सक्षम होता है कि वह पढ़ने वालों को ऐसा प्रतीत होता है कि लेखक ने उस घटना को स्वयं अपनी आंखों से निहारा हो।

विशेषताए–

1. इसमें किसी घटना का वास्तविक एवं सजीव अंकन होता है।
2. इसमें घटना का विवेचन एवं विश्लेषण किया जाता है।
3. भाषा सरलता, रोचकता एवं प्रभावपूर्ण गुणों से ओत प्रोत होती है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. लेखक परिचय – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल

1. **रचनाएं** :– हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी काव्य में रहस्यवाद, रस मीमांसा, चिन्तामणि, विचार वीथी, त्रिवेणी।
2. **भाषा** :– साहित्यिक दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा अत्यंत परिष्कृत प्रौढ़ एवं संस्कृतनिष्ठ है। उर्दू, फारसी के शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। मुहावरों, लोकोक्तियों के प्रयोग आपकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बना देते है।
3. **शैली** :– शुक्ल जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता है। उनकी शैली समास से प्रारंभ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। मुख्य रूप से आपने समीक्षात्मक, गवेषणात्मक, भावात्मक व व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग किया है।

4. **साहित्य में स्थान :–** आचार्य शुक्ल युग प्रवर्तक निबंधकार के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर अमरत्व प्राप्त किया है। मनोवैज्ञानिक विषयों पर लिखे गए उनके निबंध साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

लेखक परिचय – श्याम सुंदर दुबे।

1. **रचनाएं :–** काल मृगया, विषाद वांसुरी की टेर । रीते खेत में बिजूका, ऋतुए जो आदमी के मीत है। दाखिल खारिज, मरे न माहुर खाये।
2. **भाषा :–** देशज शब्दों से युक्त संस्कृत निष्ठ हिन्दी का प्रयोग किया है। वाक्यों में लघुता के कारण उनका प्रभाव चिर स्थायी हो उठा है। अंग्रेजी, उर्दू, शब्दों के प्रयोग के साथ–साथ वानस्पतिक, उल्लास, वंचित जैसे संस्कृत शब्दों के प्रयोग से भाषा को सजाया गया है।
3. **शैली :–** व्यास शैली, उद्धरण शैली, विवरणात्मक शैली, उपदेशात्मक शैली, व्यंग्यात्मक शैली आपके लेखन की विशेषता है।
4. **साहित्य में स्थान :–** हिन्दी साहित्य में उच्च स्थान है। लोक संस्कृति के प्रचारक के रूप में श्याम सुंदर दुबे जी को विशेष ख्याति प्राप्त हुई है।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 23. कवि परिचय – कबीर दास

1. **रचनाएं** : साखी, सबद, रमैनी (बीजक)
2. **भाव पक्ष** : कबीरदासजी को हिन्दी काव्य में रहस्यवाद का जन्मदाता कहा जाता है। भक्तिकाल की निर्गुण ज्ञानमार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि कबीरने सामाजिक विकारों को दूर करने का भरसक प्रयास किया। अंध विश्वास,

छूआछूत, वर्ग भेद, जात पांत आदि का विरोध करते हुए समता मूलक समाज की अवधारणा को पुष्ट करने का प्रयास किया।

3. **कला पक्ष** : भाषा सीधी सरल, व्यवहारिक हैं। अरबी, फारसी, राजस्थानी, ब्रज भाषा के शब्दों का प्रयोग किया है। आपने रूपक, अनुप्रास, उपमा अलंकारों का स्वाभाविक रूप से प्रयोग किया है। प्रतीक, बिम्ब तथा अन्योक्ति अद्भूत है।
4. **कला पक्ष** : अकृत्रिम भाशा, सहज निर्द्वन्द्व शैली, अलंकार, छंद।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

कवि परिचय – गजानन माधव ''मुक्ति बोध''

1. **रचनाएं** :– चांद का मुंह टेड़ा है, काठ का सपना, सतह से उठता हुआ आदमी, नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, भारतीय इतिहास, कामायनी एक पुर्नविचार।
2. **भाव पक्ष** :– मुक्तिाबोध जी जीवन तथा समाज के यथार्थ से संबंध रखते है। कविता में समाज की विपन्नता, विवशता तथा विसंगतियों को चित्रित किया है। काव्य में मानवतावाद का स्वर स्पष्ट से मुखारित हुआ है। कविता में आधुनिक भाव बोध की सशक्त अभिव्यंजना है। उनकी काव्य चेतना में चिंतन की प्रचुरता है।
3. **कला पक्ष** :– भाषा परिमार्जित, प्रौढ़ तथा पुष्ट है। भाषा सरल तथा प्रवाहमय है। भाषा में प्रांजलता, शब्द चयन की सहजता, सार्थकता के साथ–साथ बोध के अनुरूप कथ्य को प्रकट करने की पूर्ण सामर्थ्य है। भाषा में कहीं पर बनावट तथा अस्वाभाविकता नहीं है। इनकी काव्य शैली बिम्ब तथा प्रतीक प्रधान है एवं सहज जीवन को व्यक्त करने कारण सरलता से ग्राह्य है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत अंश साखी शीर्षक से अवतरित है इसके रचयिता कबीरदास जी है।

प्रसंगः– प्रस्तुत इसमें कवि ने वाणी के महत्व को प्रतिपादित किया है।

व्याख्याः– कबीरदास कहते है कि मनुष्य को बोलने के पूर्व सोच–विचार करना चाहिए क्योंकि शब्दों के हाथ–पैर नहीं होते। मीठे वचन औषधि सा काम करते है जबकि कटु वचन सुनने वाले के शरीर में घाव कर सकते है अर्थात मधुवचन सुखी तथा कटु वचन दुखी करते है। कबीरदास जी का कहना है जिन लोगों ने अपनी जीम को वश में कर लिया मानों उन्होंने संसार जीत लिया जिन्होंने जीभ को वश में करना नहीं सीखा उनको अनेक दुख उठाने पड़ते है ऐसा सज्जनों का कहना है।

विशेषः– भाषा सधुक्कड़ी है। अनुप्रास अलंकार, दोहा छंद तथा शांत रस का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

संदर्भः– प्रस्तुत अंश देखो मालिन मुझे न तोड़ो शीर्षक से अवतरित है। इसके रचयिता श्री शिव मंगल सिंह सुमन है।

प्रसंगः– इसमें फूल ने मालिन से कहा है कि जब कोई मुझे तोड़ने आता है तो मैं सुधि बुधि खो बैठता हूँ।

व्याख्याः– फूल कहता है कि जब कोई मुझे शाखा से तोड़ता है तो मुझेहंसी आती है तत्पश्चात मेरी कलाई छूट जाती है। हे मालिन! जब तुम मुझे तोड़ने के लिए हाथ उठाती हो तो मैं चेतना शून्य हो जाता हूँ। अर्थात मानव के ह्रदय की भांति फूल का ह्रदय भी कोमल है। उसकी इच्छा है कि तोड़कर अलग न करे। हे मालिन तुम मुझे न तोड़ो।

विशेषः– भाषा सहज और सरल है। पुष्प का मानवीकरण किया गया है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 25. गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश गीता और स्वधर्म शीर्षक से लिया गया है। इसके लेखक आचार्य विनोबा भावे है।

प्रसंगः– विनोबा जी ने बताया है कि युद्ध भूमि में अपने परिजनों को देखकर अर्जुन मोह में पड़ गया इस कारण वह अपने क्षात्रधर्म को भूल गया।

व्याख्याः– श्री विनोबा भावे के अनुसार अर्जुन ने जब रणभूमि में अपने सगे संबंधियों को देखकर गांडीव नीचे रख लिया तो इसका अर्थ यह नहीं होता कि उसके मन में अहिंसा वृत्ति ने जन्म लिया था वरन वह तो केवल अपने स्वजनों के प्रति उसकी आसक्ति थी जिसके कारण वह मोहवश यह आचरण कर बैठा वरना कार्य तो शत्रुओं के सिर कलम करना ही था परंतु इसी मोह के कारण वह अपने कर्तव्य को भूल गया था तभी वह इस प्रकार का आचरण करने लगा था। इसका अर्थ है कि जब मनुष्य मोह के वश में हो जाता है तो वह कर्तव्यमुक्त होने लगता है और अपने विचारों को सही ठहराने के तरह–तरह के कारण बनाने लगता है।

विशेषः– खड़ी बोली का प्रयोग है। संस्कृत शब्दों की अधिकता। अशोक और अर्जुन की अहिंसा मं अंतर बताया गया है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश तिमिर गेट में किरण आचरण शीर्षक से उद्धत है। इसके लेखक डॉ. श्यामसुंदर दुबे है।

प्रसंगः– इसमें अपने पिता के द्वारा कही गई बात याद आती है कर्मठ व्यक्ति ही निर्माण रूपी प्रकार से संसार को सुख देता है।

व्याख्याः– लेखक के पिता ने कहा था – संसार में रहकर सुखों की प्राप्ति कोई सरल कार्य नहीं है। श्रम, ईमानदारी ही प्राणी में काम करने की शक्ति बढ़ाते है। प्राणी के जीवन में चाहे अनगिनत दुख, मुसीबत या रूकावटे आये परंतु वह अपने कर्म, मेहनत, सत्य और ईमानदारी पर विश्वास रखेगा तो उसके विकास को कोई नहीं रोक सकता। अर्थात जिस दिन मनुष्य स्वयं कर्मठ बनकर दूसरो को भी कर्मठ बनने की प्रेरणा देगा वहीं दीपावली का दिन होगा। जहां असंख्य दीपक जलकर प्रकाश फैलायेंगे, मानव जाति निर्माण के पथ पर चल पड़ेगी, तब सुख ही सुख का साम्राज्य होगा।

विशेषः– कर्म ही सफलता का फल है। संस्कृत एवं उर्दू के शब्दों का प्रयोग। व्यास तथा उद्धरण शैली का प्रयोग है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 26. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक – ''नारी की महत्ता''।

उत्तर 2. सारांश – नारी सृष्टि का मूल आधार है। उसके आभाव में संसार की प्रत्येक रचना अधूरी है। वह कोमल होते हुए भी कठोर है। उसके मन मानस में सूर्य के समान तेज है तथा सागर जैसी गंभीरता है। पुरूष एवं नारी के तालमेल के बिना गृहस्थी का रथ भली प्रकार संचालित नहीं हो सकता।

उत्तर 3. सृष्टि का आधार नारी को कहा गया है।

(2+2+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 27.

आवेदन पत्र

प्रति,

प्राचार्य महोदय,

महात्मा गांधी उ.मा. विद्यालय,

भोपाल (म.प्र.)

विषयः– निर्धन छात्र कोष से छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु।

महोदय,

मुझे ज्ञात हुआ है कि इस वर्ष विद्यालय द्वारा कक्षा 12वीं में पढ़ रहे कुछ निर्धन एवं मेधावी छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जावेगी। इस संदर्भ में मैं आपकी सेवा में अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रहा हूॅ।

मैंने वर्ष 2009 में माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश की हाई स्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा विज्ञान तथा गणित विषयों में मैंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। कक्षा 11वीं की वार्षिक परीक्षा में मैंने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मैं विद्यालय की ओर से जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में सक्रिय भाग लेता रहा हूॅ।

मैं एक सामान्य कृषक परिवार से संबंध रखता हूॅ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण मुझे पढ़ाने में मेरे पिता जी को कठिनाई हो रही है।

मुझे आशा है कि आप मेरे आवेदन पत्र पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए छात्रवृत्ति प्रदान करने की महती कृपा करेंगे। इसके लिए मैं आपका आजीवन ऋणी रहूंगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

दिनांक

राकेश मोहन तिवारी

कक्षा– XII वर्ग 'ब'

संबोधन–1 अंक, विषय–1 अंक, विषयवस्तु–2 अंक, प्रेषक–1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रति,

श्रीमान उपयंत्री,
मध्यप्रदेश विद्युत मंडल,
भोपाल (म.प्र.)

विषयः– बिजली कटौती बंद करने हेतु।

महोदय

मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र गौतम नगर कॉलोनी की बिजली मे आये दिन होने वाली अघोषित कटौती की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

विगत दो माह से हम सभी गौतम नगर रहवासी इस कारण से परेशान है। बिजली कटौती बिना किसी पूर्व सूचना के कर दी जाती है। जबकि बोर्ड की परीक्षा करीब है। हमारा भविष्य अंधकार मय न हो। अतः निवेदन है कि हम विद्यार्थियों की परीक्षावधि तक बिजली कटौती बंद करने का कष्ट करें। इसके लिए हम आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

दिनांक

समस्त विद्यार्थीगण
गौतम नगर, भोपाल

संबोधन–1 अंक, विषय–1 अंक, विषयवस्तु–2 अंक, प्रेषक–1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन–**

<u>कम्प्यूटर : आज के जीवन की आवश्यकता</u>

प्रस्तावनाः– वर्तमान युग कम्प्यूटर युग है। यदि भारत वर्ष पर नजर दौड़ाकर देखे तो हम पाएंगे कि आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेल्वे–स्टेशन, हवाई–अड्डे, डाक खाने बड़े–बड़े उद्योग कारखाने व्यवसाय हिसाब–किताब, रूपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई है। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है।

कम्प्यूटर आज की जरूरत :– प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की जरूरत है? क्या इसके बिना काम नहीं चल सकता है? इसका उत्तर है– कम्प्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सांसारिक गतिविधियों परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारू रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन भर में अगर 100 लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह 2000 लोगों के संपर्क में आता है। पहले वह दिन में 5–10 लोगों से मिलता था तो आज 50–100 लोगों से मिलता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज राते भी व्यस्त रहती है। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे है, व्यापार बढ़ रहे है, गतिविधियां बढ़ रही है, आकांक्षाएं बढ़ रही है, साधन बढ़ रहे है।

"यहां सतत् संघर्ष विफलता कोलाहल का राज है।

अंधकार में दौड़ लग रही है, मतवाला यह सब समाज है।।''

सुव्यवस्था लाने में सहयोग :– इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है कहते है आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूंढ़ लिया है। कंप्यूटर एक ऐसी स्वचलित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों करोड़ों अरबों की लंबी–लंबी गणनाएं कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबड़ाकर और अधिक गड़बड़ी करते थे। परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था। अब कम्प्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है।

ज्ञान का भंडार :– कंप्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। कार्यालय की सारी गतिविधियां फ्लौपी में बंद हो जाती है इसलिए स्टोरों की जरूरत अब नहीं रही। अब समाचार पत्र भी इंटरनेट के माध्यम से पढ़ने की व्यवस्था हो गई है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। एक समय था जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया है। कंप्यूटर ने तो मानों उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। संभव है कंप्यूटर की सहायता से आप मनचाहे सवाल का जवाब दूरदर्शन या इंटरनेट से ले पाएंगे। शारीरिक रूप से नहीं

काल्पनिक रूप से जिस मौसम का, जिस प्रदेश का आनंद उठाना चाहे उठा सकते है।

उपसंहार :– आज टेलीफोन, रेल, फ्रिज, वाशिंगमशीन आदि उपकरणों के बिना नागरिक जीवन जीना कठिन हो गया है। इन सबके निर्माण या संचालन में कंप्यूटर का योगदान महत्वपूर्ण है। रक्षा उपकरणों, हजारों मील की दूरी पर सटीक निशाना बांधने, सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तुओं को खोजने में कंप्यूटर का अपना महत्व है। आज कंप्यूटर ने मानव जीवन को सुविधा, सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है। अतः आज जीवन में कंप्यूटर पूरी तरह से प्रभावशाली बन गया है।

7 अंक

(ब) रूपरेखा–

भ्रष्टाचार : समस्या कारण निदान

1. प्रस्तावना।
2. भ्रष्टाचार का अर्थ।
3. भ्रष्टाचार का कारण।
4. भ्रष्टाचार के निवारण के उपाय।
5. उपसंहार।

3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –